11/05/2020
Monday

B.Ed 2nd year
Teaching of Hindi
Reading and its Types
पठन और उसके रूप

पठन – "लिखित भाषा को पढ़ने और पढ़कर उसका अर्थ समझने की क्रिया पठन कहलाती है।"

मौखिक पठन → मौन पठन

मौखिक पठन [Oral Reading]
"लिखित भाषा का मुख से उच्चारण करते हुए पढ़ने और पढ़कर उसका अर्थ समझने की क्रिया को मौखिक पठन कहते हैं।"

मौखिक पठन के प्रकार
(1) व्यक्तिगत पठन
(2) सामूहिक पठन
(3) रूसा शिक्षण की दृष्टि से → आदर्श पठन। अनुकरण पठन। समवेत पठन।

मौखिक पठन के तत्व
(1) उचित पठन आसन एवं मुद्रा।
(2) स्पष्ट अक्षरोच्चारण।
(3) शुद्ध शब्दोच्चारण।
(4) उचित ध्वनि निर्गम।
(5) बल।
(6) धैर्य।
(7) सुस्वरता।

मौखिक पठन की शिक्षा के उद्देश्य
(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य → लिपि का स्पष्ट ज्ञान कराना।
→ मानव जीवन के सामान्य पहलुओं का ज्ञान कराना। → वाक्य रचना का ज्ञान कराना।

कौशलात्मक उद्देश्य
⇒ उचित आसन भाव मुद्रा के साथ पूर्ण मनोयोग से सस्वर पठन।
⇒ कविता का उचित भाव और छन्द के साथ पठन।
⇒ लिखित सामग्री का केन्द्रीय भाव ग्रहण करना और उसकी समीक्षा करना।

भावात्मक उद्देश्य
⇒ छात्रों में साहित्य के प्रतिरुचि उत्पन्न करना।
⇒ पठित सामग्री का विश्लेषण करके उसका मूल्यांकन करना।
⇒ भाषा सीखने व ज्ञान प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास।
⇒ भाषा, साहित्य, देश, जाति व धर्म के प्रति आदर के स्थायी भाव।

End

Scanned with CamScanner